सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 318 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 27 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

आगे बढ़ने के लिए जीवन में उतर-चढ़ाव बहुत जरूरी हैं, क्योंकि ईसीजी में भी एक सीधी लाइन का मतलब होता है कि हम जिंदा नहीं हैं।

-रतन टाटा

बॉक्सिंग डे टेस्ट: भारत पर फॉलोऑन... 7 | यूपी में कांग्रेस को संजीवनी दे... 3 | बाबा साहब के संविधान को बदलना... 2

पूर्व पीएम को विनम्र श्रद्धांजलि

भारत को आर्थिक ताकत देने वाले नेता थे डॉ. मनमोहन सिंह

» देश भर के नेताओं ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

» पूरे देश में सात दिन का राष्ट्रीय शोक, तिरंगे को आधा झुकाया गया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर 2024 को निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती किया गया था। उनके निधन के बाद देश की कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह का गुरुवार की रात निधन हो गया। 92 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। अनाचक उनकी तबीयत बिगड़ी, इसके बाद उन्हें आनन-फानन एम्स के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया।

उनके निधन की खबर के बाद कई नेताओं ने एक्स पर पोस्ट कर निधन की जानकारी दी और शोक जताया। उधर शुक्रवार को केंद्र सरकार ने पूरे देश में सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया। देश के सारे सरकारी कार्यालयों पर लगे तिरंगे झुका दिए गए। इससे पहले सुबह 11 बजे केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। सरकार ने आज के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए। कांग्रेस ने बेलगावी में हो रही कांग्रेस कमेटी की स्पेशल बैठक को भी रद्द कर दिया। पार्टी के सभी नेता दिल्ली पहुंच गए।

देश के सबसे ज्यादा शिक्षित पीएम थे मनमोहन सिंह

मनमोहन सिंह देश के ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जो सबसे ज्यादा शिक्षित थे। प्रखर अर्थशास्त्री थे और प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचने वाले पहले अल्पसंख्यक भी थे। जब 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में देश में उदारीकरण का दौर शुरू हुआ, तब वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ही थे। इसके बाद उन्होंने 2004 से 2014 तक केंद्र में यूपीए की सरकार का नेतृत्व किया। वे 10 साल प्रधानमंत्री रहे। बराक ओबामा जैसे तत्कालीन विश्व नेता आर्थिक मामलों पर मनमोहन सिंह की समझ के कायल रहे।

जन्म
26 सितम्बर 1932

मृत्यु
26 दिसम्बर 2024

92
वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

1991-96
वित्तमंत्री

2004-14
प्रधानमंत्री

1982-85
गवर्नर आरबीआई

पूर्व पीएम की ईमानदारी हमेशा हमारे लिए रहेगी प्रेरणास्रोत : प्रियंका गांधी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर लिखा कि राजनीति में बहुत कम लोग सरदार मनमोहन सिंह जैसा सम्मान दिलाते हैं। उनकी ईमानदारी हमेशा हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। वे हमेशा उन लोगों के बीच खड़े रहेंगे जो इस देश से सच्चा प्यार करते हैं, क्योंकि वे अपने विरोधियों द्वारा अनुचित और गहरे व्यक्तिगत हमलों के बावजूद राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता में अडिग रहे। वे अंत तक वास्तव में समतावादी, बुद्धिमान, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और साहसी थे।

मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणादायक रहा : मोदी

पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में सेवाएं दीं। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। जब रास में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है।

देश ने एक अर्थशास्त्री खो दिया, देश उनके दयालुता का मूल्यांकन करेगा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पोस्ट कर लिखा कि नि:संदेह, इतिहास आपका दयालु मूल्यांकन करेगा, डॉ. मनमोहन सिंह। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, बेदाग सत्यनिष्ठ नेता और अद्वितीय कद का एक अर्थशास्त्री खो दिया है। आर्थिक उदारीकरण और अधिकार-आधारित कल्याण प्रतिमान की उनकी नीति ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को गहराई से बदल दिया, वस्तुतः भारत में एक मध्यम वर्ग का निर्माण किया और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट किया, नि:संदेह, इतिहास आपका दयालु मूल्यांकन करेगा, डॉ. मनमोहन सिंह जी! पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, बेदाग सत्यनिष्ठ नेता और अद्वितीय कद का एक अर्थशास्त्री खो दिया है।

उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने लिखा कि बहुत ही बुद्धिमत्ता और ईमानदारी के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक घोषित होने के बाद यूपी के विधान भवन व कांग्रेस कार्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा आधा झुका रहा।

कितने सरल थे पूर्व पीएम मनमोहन : संजय शर्मा

बात ज्यादा पुरानी नहीं है, लगभग दो साल पहले की बात है। कांग्रेस के एक बड़े नेता, जो मेरे बहुत अच्छे मित्र भी हैं, का फोन मेरे पास आया। उन्होंने मुझसे कहा, आपका फोन स्पीकर पर है। दूसरी तरफ कौन सुन रहा है, यह बाद में बताऊंगा। पहले यह बताइए कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के समीकरण क्या हैं। मैंने उन्हें उस समय राजनीति में चल रही सारी बातें बता दीं। जब मेरी बात खत्म हुई, तो उन्होंने कहा,अब मैं नाम नहीं बताऊंगा। खुद अंदाजा लगाइए कि कौन सुन रहा है। थोड़ी देर बाद, जब उधर से आवाज आई, संजय, बहुत अच्छा कर रहे हो। मैं तुम्हें सुनता हूं, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि मैं देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी से बात कर रहा हूं।आज इस महान शख्सियत ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्होंने इस देश पर जो एहसान किए हैं, उन्हें शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने उस दौर में देश को संभाला, जब बड़े-बड़े देश आर्थिक मंदी से जूझ रहे थे।अलविदा, मनमोहन सिंह जी। भगवान से प्रार्थना है कि स्वर्ग में भी आपका सम्मान हो। आप थे ही इतने महान।

बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहता है संघ परिवार : अखिलेश

बोले- समाजवादियों को बदनाम करने के लिए भाजपा गढ़ती है झूठे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों (संघ परिवार) की मंशा बाबा साहब के संविधान को बदलने की है। भाजपा जितना ताकतवर होगी, संविधान पर उतना बड़ा हमला करेगी। देश की एकता, अखंडता, भाईचारे, सामाजिक न्याय और खुशहाली के लिए बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के बताए रास्ते पर चलना होगा। वे पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान बनाकर गरीबों, वंचितों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों आदिवासियों और महिलाओं को अधिकार और सम्मान दिलाया। उनका संविधान पीडीए की ताकत और संजीवनी है।

सपा बाबा साहब के संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि सपा लोकतंत्र पर होने वाले हर हमले का मुकाबला करेगी। सपा देश की इकलौती पार्टी है, जिसके नाम में वही समाजवाद है, जो हमारे संविधान की प्रस्तावना में है। भाजपा सरकार का रवैया तानाशाही है। किसान अपनी मांगों को लेकर धरना और आमरण अनशन पर बैठे हैं, लेकिन इस सरकार को किसानों की पीड़ा नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि नौजवान नौकरी और रोजगार के लिए परेशान हैं। भाजपा सरकार के इशारे पर अधिकारी निर्दोषों को फर्जी मामलों में फंसाते हैं। समाजवादियों को बदनाम करने के लिए भाजपा झूठे आरोप गढ़ती है। भाजपा की साजिश से लोगों को सावधान करना है। वर्ष 2027 में सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को दिन-रात एक करके काम करना है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मतदान केंद्रों की मांगी सीसीटीवी फुटेज

उत्तर प्रदेश में हाल ही में संपन्न हुए उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा ने आयोग से मतदान केंद्रों पर प्रत्याशियों की सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जारी करने की मांग की है। सपा ने उन सात सीटों की डिटेल्स जारी करने की मांग की है, जहां वह हारी थी। ज्ञापन देने वालों में केके श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र सिंह और राधेश्याम सिंह शामिल थे। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कटेहरी, कुंदरकी, फूलपुर, मझवां, मीरापुर, खैर और गाजियाबाद सीटों की सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जारी करने की मांग की। इन सभी सीटों पर 13 नवंबर 2024 को हुए उपचुनाव के लिए मतदान हुए थे। 23 नवंबर 2024 को इसके नतीजे घोषित किए गए थे। सपा इन सभी सीटों पर चुनाव हार गई थी। बयान में कहा गया कि सपा, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग दोहराती है। नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में सपा ने सिर्फ दो सीटें शीशमऊ (कानपुर) और करहल (मैनपुरी) जीती थीं। बताते चलें कि केंद्र ने पिछले सप्ताह चुनाव के नियमों में बदलाव किया था। इसमें सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकना है। ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

भाजपा मनुस्मृति से चलाना चाहती है देश

रायबरेली के खीरों कस्बा में सपा की ब्लाक स्तरीय पीडीए जनपंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा पर तंज कसा गया। वहीं, खीरों पुलिस के खिलाफ दलित युवक की पिटाई को लेकर हत्या का मुकदमा लिखे जाने की भी मांग की गई। कस्बा के कांजी हाउस मैदान में कहा कि देश के संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा साहब भीम राव आंबेडकर का अपमान समाजवादी लोग सहन नहीं कर सकते। विधायक बछरावां श्याम सुंदर भारती ने कहा कि भाजपा सरकार दलितों का अपमान कर रही है। भाजपा मनुस्मृति लागू करना चाहती है। हरचंदपुर के विधायक राहुल लोधी ने कहा कि क्षेत्र के उन लोगों से होशियार रहने की जरूरत है जो लाइट के नाम पर झुनझुना पकड़ाते है। स्वयं बिसलरी का पानी पीते है। हम पीडीए के लोग लोगों को मग्घे का पानी देते हैं। ऐसे लोगों को उनकी हैसियत वोट की चोट से बतानी है।

पीडीए की हर जाति के महापुरुषों को चर्चा में लाएगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सेक्टरवार पीडीए चर्चा का आयोजन शुरू

» दलित वोटों की एकजुटता पर विशेष ध्यान

लखनऊ। सपा आने वाले समय में अपना राजनीतिक स्टाइल बदलती हुई दिखेगी। अपने इस नए अंदाज से वह भाजपा सरकारों को और तेजी से घेरते हुए भी नजर आएगी। साथ ही पार्टी ने पीडीए में शामिल जातियों के महापुरुषों पर फोकस करने के साथ वह आंबेडकर और संविधान के मुद्दे को बनाए रखना चाहेगी। पार्टी इस रणनीति पर जल्द ही अमलीजामा पहनाएगी।

समाजवादी पार्टी पीडीए में शामिल प्रत्येक जाति के महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि पर विधानसभावार कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके लिए विशेष योजना तैयार की गई है। पार्टी ने सभी जिला व शहर कमेटियों को इस बारे में जरूरी निर्देश दे दिए हैं। इसी तरह से कश्यप और पासी समेत सभी जातियों के महापुरुषों के बारे में लिखित सामग्री एकत्र की जा रही है। सपा ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 26 दिसंबर से सेक्टरवार पीडीए चर्चा का आयोजन शुरू कर दिया है। इसमें संविधान को बचाने की शपथ दिलाई जाएगी और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। यह अभियान गणतंत्र दिवस के एक दिन पहले 25 जनवरी तक चलेगा। पीडीए चर्चा के कार्यक्रम में पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी और फ्रंटल संगठनों के सभी पदाधिकारी सक्रिय रूप से शामिल होंगे। इन पीडीए चर्चा कार्यक्रमों में मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा। सामाजिक न्याय, आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई, जातीय जनगणना और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा होगी। पीडीए समाज को अधिकार और भागीदारी से अवगत कराकर उन्हें एकजुट किया जाएगा।

यूपी से खास रिश्ता मानते थे पूर्व प्रधानमंत्री : कांग्रेस

» मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश के कांग्रेसियों ने जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह यूपी के कार्यकर्ताओं को लेकर बेहद उत्साहित रहते थे। वह उत्तर प्रदेश के लोगों से मिलते तो अलग-अलग शहरों और कारोबार की स्थितियां के बारे में बातचीत करते। इस बातचीत में आर्थिक सुधार का दृष्टिकोण समाहित होता था। वह जानना चाहते कि आम आदमी को कैसे राहत पहुंचाई जाए। प्रधानमंत्री रहते हुए वह गोरखपुर और कानपुर भी आए और उत्तर प्रदेश से अपना गहरा नाता बताया था।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमर नाथ अग्रवाल बताते हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री से

दिल्ली में वर्ष 2009 में मुलाकात हुई थी। वह उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के व्यापार के बारे में बातचीत को उत्सुक रहे। वह गोरखपुर में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी आए थे। पूर्वांचल की समृद्धि के लिए अतिरिक्त पैकेज की वकालत की थी। 2014 में वह देश के प्रधानमंत्री थे कानपुर में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के लिए वह रैली करने कानपुर आए थे। मैं उस सभा का संयोजक था। डॉक्टर मनमोहन सिंह मुलाकात हुई । उनका प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए विनम्र व्यवहार, शालीनता ने मुझे विशेष प्रभावित किया । संगठन से ना होते हुए भी संगठन के कार्यकर्ताओं के प्रति उनका प्रेम और स्नेह अपार था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भी जताया शोक

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, निवर्तमान संगठन महासचिव अनिल यादव, दिनेश सिंह, अनामिका यादव, पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव, राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम आदि ने शोक जताया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हम लोगों ने मार्ग दर्शक खो दिया है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना और भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी शोक जताया।

कश्मीरी शॉल विक्रेताओं को दक्षिणपंथी समूह लगातार दे रहे धमकी : महबूबा

» हिमाचल प्रदेश में कश्मीरी व्यापारियों पर हमले के आरोप, मुफ्ती की सीएम सुक्खू से हस्तक्षेप की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती नेकथित हमलों और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर पीडीपी नेता ने एक पोस्ट कर लिखा है कि इन व्यापारियों को दस्तावेज पूरे होने के बावजूद बिलासपुर जिले में व्यापार करने से रोका जा रहा है और उन्हें धमकियां दी जा रही हैं।

पीडीपी प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस मुद्दे पर चिंता जाहिर करते हुए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से हस्तक्षेप करने की अपील की है। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया पर लिखा हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं को दक्षिणपंथी समूहों से उत्पीड़न, हमले और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। आगे लिखती हैं कि उचित दस्तावेजों के बावजूद, उन्हें व्यवसाय करने से रोका जा रहा है और बेदखल किया जा रहा है।

भागवत का बयान समयानुकूल और प्रेरणादायक : चिश्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अजमेर। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के गद्दीनशीन और सूफी फाउंडेशन के चेयरमैन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने भारत की अनूठी विविधता और सह-अस्तित्व की परंपरा को सराहा। उन्होंने कहा कि यह देश सदियों से विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं के साथ सामंजस्य का प्रतीक रहा है। हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा समावेशिता और मंदिर-मस्जिद विवादों को बढ़ावा न देने के संदेश को उन्होंने समयानुकूल और प्रेरणादायक बताया।

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कहा कि मोहन भागवत का यह कहना कि भारत को दुनिया को दिखाना होगा कि साथ कैसे रहा जा सकता है, भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुंबकम सिद्धांत को फिर से स्थापित करता है। राम मंदिर को हिंदुओं के लिए एकता का प्रतीक मानते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्य विवादों का राजनीतिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए इस्तेमाल अनुचित है। यह बयान एक जिम्मेदार और परिपक्व नेतृत्व की आवश्यकता को रेखांकित करता है। हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने हाल ही में अजमेर शरीफ दरगाह को लेकर फैले झूठे विवाद पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ कट्टरवादी समूहों और व्यक्तियों द्वारा इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थल की पवित्रता को बाधित करने के प्रयास न केवल इसके महत्व को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि भारत की एकता और विविधता की छवि को भी धूमिल करते हैं।

यूपी में कांग्रेस को संजीवनी दे गया साल 2024

लोस चुनाव में कांग्रेस को करीब 14 फीसदी वोट मिला

प्रदर्शन में सुधार से निकलेगी 2027 की राह!

» यह वोट शेयर पार्टी के 2012 के विधानसभा के बाद बेहतरीन रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 जाने वाला है। ये राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण रहा । इस वर्ष जहां लोक सभा चुनाव हुए वहीं चार राज्यों में विधान चुनाव व कई राज्यों में उपचुनाव भी हुए। जहां लोस चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडिया भाजपा को करारा झटका देते हुए उसे बहुमत से दूर कर दिया वहीं कांग्रेस ने अपनी सीटों में इजाफा करके अपनी ताकत का एहसास कराया। कांग्रेस की ताकत बढ़ने से उसके नेता राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने में कामयाब हो गये। और राज्यों में तो कांग्रेस ने ताकत बटोरी ही है पर सबसे ज्यादा उसको संजीवनी यूपी से मिली जहां उसका गठंबधन सपा के साथ था।

यूपी में कांग्रेस के प्रदर्शन में एक दशक बाद सुधार देखने को मिला। साल 2024 यूपी कांग्रेस के लिए उम्मीद जगाने वाला साल रहा है। अब इस सफलता से गद्गद् कांग्रेस पार्टी की नजर यूपी के 2027 के विधानसभा चुनावों पर है। पिछले एक दशक में लगातार पार्टी का प्रदर्शन खराब होता गया। इस बार समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरी पार्टी को बड़ा फायदा मिला। साल 2024 में इस स्थिति में बदलाव किया है। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस पार्टी 17 सीटों पर अपने अपने उम्मीदवार उतारी थी। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत मिली इन 17 में से 6 सीटों पर पार्टी को जीत मिली।

2014 में उठाया था भारी नुकसान

लोकसभा चुनाव 2014 में मोदी लहर ने उत्तर प्रदेश में तमाम राजनीतिक दलों को नुकसान पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा ने इस चुनाव में 42.63 फीसदी वोट हासिल करने में कामयाबी हासिल की। वहीं, सत्ताधारी समाजवादी पार्टी को 22.3 फीसदी वोट मिले। बसपा को 19.77 फीसदी वोटों से संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में कांग्रेस महज 7.53 फीसदी वोट हासिल करने में कामयाब रही। लोकसभा चुनाव 2014 में भाजपा ने अकेले दम पर 71 और एनडीए ने 73 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, समाजवादी पार्टी पांच, कांग्रेस दो और बसपा शून्य पर सिमट गई।

24 में पार्टी का प्रदर्शन रहा शानदार

लोकसभा चुनाव 2024 समाजवादी पार्टी-कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के लिए बेहतरीन साबित हुआ। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी गठबंधन ने 43.52 फीसदी वोट हासिल किया। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 43.69 फीसदी वोट मिले। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी 37 और कांग्रेस 6 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब हुई। भाजपा महज 33 सीटें जीत पाई। बीजेपी के सहयोगी दल रालोद को दो और अपना दल एस को एक सीट पर जीत मिली। इस चुनाव में कांग्रेस को करीब 14 फीसदी वोट मिला है। यह वोट शेयर पार्टी के 2012 के विधानसभा के बाद बेहतरीन रहा। लोकसभा चुनाव 2019 में भी कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब रहा। यूपी में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का प्रभाव साफ तौर पर दिखा। समाजवादी पार्टी और बसपा गठबंधन के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। भाजपा ने 49.98 फीसदी वोट हासिल करते हुए 80 में से 62 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सपा-बसपा गठबंधन होने के बाद बहुजन समाज पार्टी ने इस चुनाव में 19.43 फीसदी वोट हासिल करते हुए 10 सीटें जीती। इस चुनाव में कांग्रेस अकेले चुनावी मैदान में थी। समाजवादी पार्टी को इस चुनाव में 18.1 फीसदी वोट मिले, लेकिन वह 5 सीटों के आंकड़े को पार नहीं कर पाई। कांग्रेस महज 6.36 फीसदी वोट हासिल करने में कामयाब रही। लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए। पार्टी केवल रायबरेली सीट पर जीत दर्ज करने में कामयाब हुई।

2012 से विधानसभा चुनावों में आई गिरावट

यूपी में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखने को मिली। यूपी चुनाव 2012 में कांग्रेस को करीब 12 फीसदी वोट मिले थे। इस चुनाव में पार्टी 28 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। 2007 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को महज 22 सीटों पर जीत मिली थी। इस प्रकार पार्टी ने 6 सीटों की बढ़ोत्तरी की। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया। यूपी में तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव और राहुल गांधी की दो लड़कों की जोड़ी ने कमाल करने की कोशिश की। लेकिन, मोदी लहर ने विधानसभा चुनाव में कमाल दिखाया। इस चुनाव में कांग्रेस ने गठबंधन के तहत 114 सीटों पर चुनाव लड़ा। 6.25 फीसदी वोट के साथ महज 7 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही। यूपी चुनाव 2022 तो कांग्रेस के लिए सबसे खराब रहा। प्रियंका गांधी के नेतृत्व और लड़की हूं लड़ सकती हूं के नारे के साथ चुनावी मैदान में उतरी कांग्रेस को करारी मात मिली। महिलाओं को 40 फीसदी सीट देने का दांव फेल हुआ। पार्टी महज 2.33 फीसदी वोट हासिल करते हुए 2 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही।

बदलाव से बढ़ी उम्मीदें

उत्तर प्रदेश में हुए लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के सीटों में आए बदलाव ने पार्टी की उम्मीदों को बढ़ाया है। यूपी विधानसभा उपचुनाव से पहले कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के सामने 10 में से 5 सीटों पर दावा कर पार्टी की रणनीति में बदलने के संकेत दिए। अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए लगातार कोशिशें में जुटी हुई है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर पार्टी की तमाम कमिटियों को रद्द कर नए सिरे से संगठन को मजबूती दिए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इन कवायद के जरिए पार्टी प्रदेश में कार्यकर्ताओं को सकारात्मक बदलाव का संदेश देने की कोशिश कर रही है।

यूपी में मोदी लहर ने कांग्रेस को किया था नुकसान

दरअसल, मोदी लहर के बाद कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। कभी यूपी की राजनीति में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में रहने वाली कांग्रेस हाशिए पर जाती दिखी। 2009 के लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। कांग्रेस के इस प्रदर्शन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उम्मीदों से भर दिया है। एक बार फिर कांग्रेस लोकसभा चुनाव से मिली संजीवनी से प्रदेश में अपने प्रदर्शन में सुधार और लोगों के बीच पहुंचने की कोशिशों में जुट गई है। विधानसभा सत्र के दौरान योगी सरकार की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का लखनऊ चलो कार्यक्रम इसी कड़ी का हिस्सा रहा। पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है।

2009 में था बेहतरीन प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश में हुए लोकसभा चुनाव 2009 में कांग्रेस पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रदेश में महज 9 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं, 2009 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 21 सीटों पर जीत दर्ज की। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी को 23 और बसपा को 20 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी 10 सीटें जीतने में कामयाब रही। इस चुनाव में कांग्रेस को 18.25 वोट मिले थे। वहीं, सत्ताधारी बसपा सबसे अधिक 27.42 फीसदी वोट हासिल करने में कामयाब रही। समाजवादी पार्टी को 23.26 फीसदी और भारतीय जनता पार्टी को 20.27 फीसदी वोट मिले थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कौन लाएगा सच्चाई को सामने!

भारत व चीन दोनों के दावे की पोल अमेरिका के एक रिपोर्ट से खुल रही है। रिपोर्ट में अमेरिका ने चीन की मिलिट्री को एक्सपोज किया है। इसके साथ ही बताया है कि दुनिया के किन -किन देशों को चीन के सैन्य विस्तार से बड़ा खतरा है। पेंटागन ने चीन को एक्सपोज करते हुए कहा है कि एक लाख 20 हजार के करीब सैनिक अभी भी भारतीय सीमा के निकट तैनात हैं।

भारत सरकार चीन के साथ रिश्ते सुधारने की बात कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत ने अपने सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को चीन भेजा था। भारत व चीन के विदेश मंत्रालय ने दावा किया है एलएसी पर सैनिकों की संख्या में कटौती की गई है। इससे पहले कई बार दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प की खबरें आती रही हैं। पर अभी कुछ दिनों से स्थिती के सामान्य होने की बात हो रही है। भारत व चीन दोनों के दावे की पोल अमेरिका के एक रिपोर्ट से खुल रही है। रिपोर्ट में अमेरिका ने चीन की मिलिट्री को एक्सपोज किया है। इसके साथ ही बताया है कि दुनिया के किन -किन देशों को चीन के सैन्य विस्तार से बड़ा खतरा है। पेंटागन ने चीन को एक्सपोज करते हुए कहा है कि एक लाख 20 हजार के करीब सैनिक अभी भी भारतीय सीमा के निकट तैनात हैं। अब इस रिपोर्ट में कही गई बातें सही है या गलत ये कौन बताएगा, अर्थात सच्चाई सामने कौन लाएगा।

अभी हाल ही में हमने देखा कि हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन गए। पीएम मोदी और शी जिनपिंग की रूस में मीटिंग हुई। यानी देशों के संबंधों में सुधार हो रहा है। वर्ष 2024 भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि यह चार वर्षों से अधिक समय तक चले गतिरोध का समाधान लेकर आया। गौरतलब है कि भारत और चीन की सरकारों के बीच हाल फिलहाल में कई उच्च स्तरीय मुलाकातें हुई हैं। इसके जरिए दोनों देशों के रिश्ते में साल 2020 से आए तनाव को कम करने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। लेकिन इन सब के बीच अमेरिका ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में अमेरिका ने चीन की मिलिट्री को एक्सपोज किया है। इसके साथ ही बताया है कि दुनिया के किन किन देशों को चीन के सैन्य विस्तार से बड़ा खतरा है। पेंटागन ने चीन को एक्सपोज करते हुए कहा है कि एक लाख 20 हजार के करीब सैनिक अभी भी भारतीय सीमा के निकट तैनात हैं। जयशंकर ने नवंबर में ब्राजील में जी-20 बैठक के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की, जहां वे इस बात पर सहमत हुए कि विशेष प्रतिनिधि (एसआर) और विदेश सचिव स्तर की प्रणाली के तहत बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी। भारत-चीन के बीच 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा के जटिल विवाद पर व्यापक रूप से ध्यान देने के लिए 2003 में गठित विशेष प्रतिनिधि व्यवस्था का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और विदेश मंत्री वांग करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी नवंबर में लाओस के वियनतियाने में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में अपने चीनी समकक्ष दोंग जुन से मुलाकात की। अब सबसे बड़ा विचारणीय प्रश्न यह है कि जब दोनों देशों के बीच सब ठीक होने की बाते सामने आ रही हैं ऐसे में अमेरिका द्वारा यह कहा जाना कि लाखों की संख्या में सैनिक भारत-चीन बॉर्डर पर हैं यह क्या माना जाए कि दोनों देशों के दावे गलत हैं या बाते कुछ और हो रही हैं हकीकत कुछ और है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एआई व चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति की जगी उम्मीद

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों गूगल ने अपनी एक क्रांतिकारी क्वांटम चिप 'विलो' को दुनिया के सामने पेश किया। विलो क्लासिकल कंप्यूटरों की तुलना में जटिल गणितीय समस्याओं को तेजी से हल करता है। दावा है कि यह उन समस्याओं को 5 मिनट में हल कर देती है, जिन्हें करने में पारंपरिक कंप्यूटर को अरबों साल लगते। कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में कंपनी की क्वांटम लैब में यह चिप विकसित की गई है। विलो चिप में 105 क्यूबिट हैं। क्यूबिट्स पारंपरिक बिट्स की तुलना में स्वाभाविक रूप से तेज होते हैं। गूगल के अनुसार विलो के क्यूबिट को सावधानीपूर्वक जोड़ा गया है। यह क्यूबिट की संख्या बढ़ने पर त्रुटि दर को कम करने में सक्षम था। गूगल का लक्ष्य वर्तमान प्रणालियों से कहीं अधिक गति प्राप्त करके कंप्यूटिंग में क्रांति लाना है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में लिखा, 'विलो ने पांच मिनट से भी कम समय में एक मानक बेंचमार्क गणना की। इसे करने में आज के सबसे तेज सुपरकंप्यूटरों में से एक को 10 सेप्टिलियन वर्ष लगेंगे। इतने साल तो ब्रह्मांड की आयु भी नहीं है।'

फिलहाल गूगल की चिप द्वारा हल की गई समस्या का कोई तत्काल व्यावसायिक अनुप्रयोग नहीं है। हालांकि, कंपनी क्वांटम कंप्यूटरों को चिकित्सा, बैटरी तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में चुनौतियों से निपटने के लिये तैयार कर रही है, जो काम आज के कंप्यूटर नहीं कर सकते हैं। क्वांटम चिप एक विशेष प्रकार की कंप्यूटर चिप है जिसे क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो परमाणुओं जैसे छोटे कणों का विज्ञान है। क्वांटम कंप्यूटिंग गणना करने की ऐसी तकनीक है, जो परंपरागत कंप्यूटर से काफी अलग है। आज हम जो कंप्यूटर देखते हैं, वह बाइनरी गणना का इस्तेमाल करते हैं, यह 'बिट्स' पर काम करते हैं, जो या तो 1 या 0 हो सकते हैं। मतलब जो भी जानकारी हमारे सामने होती है, वह दरअसल 1 या 0 के रूप में होती है, और कंप्यूटर उसे लॉजिक का इस्तेमाल करके उस जानकारी को मानव द्वारा पढ़ने और समझने लायक बनता है।

अगर हम क्वांटम कंप्यूटर की बात करें तो वह क्यूबिट्स पर काम करता है। यह क्यूबिट्स एक साथ 1 और 0 दोनों पर काम कर सकता है। एक क्यूबिट दो अवस्थाओं के रैखिक संयोजन को प्राप्त करने के लिए सुपरपोजिशन की क्वांटम मैकेनिकल

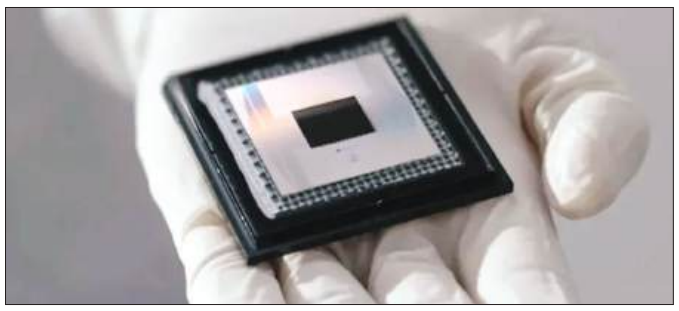

घटना का उपयोग करता है, और जानकारी को बेहद कम समय में प्रोसेस कर देता है। विलो चिप की सफलता में एडवांस क्वांटम एरर करेक्शन की बड़ी भूमिका है। बहुत अधिक गलती होना लंबे समय से क्वांटम कंप्यूटिंग की बड़ी बाधा रही है। क्वांटम इंफॉर्मेशन की मूल इकाइयां क्यूबिट्स अपने वातावरण के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील होती हैं। इसके चलते इसके कैलकुलेशन में गलती होने की संभावना रहती है। इस कमी के चलते क्वांटम सिस्टम के विस्तार होने पर इसकी गणनाओं को ठीक रख पाना मुश्किल हो जाता है। क्वांटम एरर करेक्शन से यह कमी दूर की गई है। इस सुधार का विलो को लाभ मिला है। हाल ही में नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में गूगल ने बताया है कि कैसे विलो का क्वांटम एरर करेक्शन चिप को कम गलती के साथ बड़ी गणनाएं करने की अनुमति देता है। पिछले चार दशक से क्वांटम कंप्यूटर बनाने की कोशिशें चल रही हैं, पर दिक्कत यह आती है कि ऐसे कंप्यूटर तेजी के चक्कर में गलतियां भी करते हैं। काफी समय से वैज्ञानिक इस समस्या से मुक्ति का रास्ता ढूंढ़ रहे हैं। बात 1995 की है, जब एक अमेरिकी वैज्ञानिक पीटर शोर ने यह अवधारणा दी थी कि क्वांटम कंप्यूटर तभी कामयाब हो सकता है, जब इसमें खुद ही गलतियों को सुधारने का कोई तरीका शामिल कर दिया जाए। अल्फाबेट का कहना है कि उसने अपने विलो चिप में गलतियां सुधारने की क्षमता शामिल करने में सफलता हासिल कर ली है। यह चिप गणना भी करेगा और साथ ही साथ गलतियों पर भी नजर रखेगा। उन्हें सुधारता हुआ चलेगा। गूगल की टीम ने दिखाया है कि क्यूबिट की संख्या बढ़ने पर गलती कम हुई है।

अब गूगल का लक्ष्य अगले साल तक क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए वास्तविक दुनिया के उपयोग के मामले पेश करना है। एआई के लिए जिस तरह की क्षमता वाले कंप्यूटरों की जरूरत होती है, वैसे कंप्यूटर बाजार में बहुत ज्यादा उपलब्ध नहीं हैं। अभी तक एआई का पूरा बाजार अमेरिकी कंपनी एनविडिया के ग्राफिक विशेषज्ञों के हवाले है। माना जाता है कि इनके जरिये विलो चिप बड़ी उम्मीद बनकर आया है। उम्मीद है, इससे एआई का तेजी से विकास होगा और इसके उपयोग की परीकथा जैसी अनेक कल्पनाएं जमीन पर उतरती दिखाई देंगी। गूगल के अनुसार विलो चिप द्वारा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए आयाम प्राप्त करने में सफलता मिलेगी, विशेष रूप से नई टेक्नोलॉजी से हेल्थकेयर, एनर्जी और अन्य सेक्टर्स में रिसर्च को बेहतर कर, आम आदमी के लिए नए रास्ते खोलेगा।

बांग्लादेश-पाक के नापाक गठजोड़ के खतरे

हरीश मलिक

यह वाकई अजब मंजर है। जिस भारत ने विश्वपटल पर बांग्लादेश के उदय के लिए अपने 1600 सैनिकों की कुर्बानी दी। जिस भारत ने अरबों रुपये खर्च कर इस देश को चलने के काबिल बनाया। उसी बांग्लादेश के उदय के उपलक्ष्य में मनाए गए विजय दिवस पर इस बार फिजाएं भारत विरोधी नारों से गुंजायमान थीं। इसी बांग्लादेश ने भारतीय सैनिकों की याद में सात साल से बनाए जा रहे वॉर मेमोरियल का काम भी रोक दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ निर्मम हिंसा, उनके पूजास्थलों के साथ तोड़फोड़ और तिरंगे के अपमान की खबरें तो पहले ही लगातार आ रही हैं। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से चिंतित करने वाली खबर ये भी कि 53 साल पहले करारी हार के बाद बांग्लादेश (तब के पूर्वी पाकिस्तान) से रुखसत होने वाली पाकिस्तानी आर्मी की फिर बांग्लादेश में एंट्री होने जा रही है।

पाक आर्मी के मेजर जनरल रैंक के अफसर के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बांग्लादेश की आर्मी को ट्रेनिंग देने के लिए यहां आएगी। शेख हसीना का तख्तापलट होने के बाद आज बांग्लादेश इतिहास के एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है, जहां उसके सामने अपने ही अस्तित्व को लेकर गंभीर संकट पैदा हो सकता है। बांग्लादेश में भारत विरोध का जुनून इस कदर छाया है कि इस प्रक्रिया में कार्यवाहक सरकार के समर्थक अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं। वहां हिंदुओं के उपासना स्थलों के साथ तोड़फोड़ के वीडियो वायरल हो रहे हैं। हिंदुओं से जान बचाने के लिए अपनी पहचान छिपाने तक के लिए कहा जा रहा है। इतिहास गवाह है कि ऐसे समय में, कोई एक व्यक्ति उम्मीद की लौ जगाता है। आशा की किरण और प्रतिकार का प्रतीक बन जाता है। दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला, म्यांमार में आंग सान सू की, भारत में भगत सिंह और बोस, पोलैंड में लेक वालेसा, तिब्बत में दलाई लामा और खुद बांग्लादेश के स्वतंत्र होने पर शेख मुजीबुर रहमान- इसके जीवंत उदाहरण हैं।

तो क्या अब इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास अनजाने में ही बांग्लादेश में हिंदू-उत्पीड़न के प्रतिरोध का प्रतीक बन गए हैं? चिन्मय कृष्ण दास अपने साथियों की हत्या और मंदिरों को जलाने के बाद, बांग्लादेश में हिंदू प्रतिरोध का चेहरा और बांग्लादेश सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता बने हैं। बांग्लादेश की इस्कॉन इकाई ने दावा किया कि इस्कॉन पर अनुचित तरीके से काम करने का गलत आरोप लगाया गया है। इस्कॉन पूरी तरह से आध्यात्मिक, अहिंसक, गैर-राजनीतिक, गैर-पक्षपाती और गैर-सांप्रदायिक संगठन है, जिसकी 50 से अधिक वर्षों की बेदाग विरासत है। बांग्लादेश की केयरटेकर सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस और उनके समर्थक बांग्लादेश की विरासत को खत्म करने में व्यस्त हैं। हालात यह हैं कि वह बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर्रहमान का सम्मान तो छोड़िए, जानबूझकर उनके अपमान पर उतारू है। वहां पर उनकी मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं। मोहम्मद यूनुस ने राष्ट्रपति भवन से मुजीबुर्रहमान की तस्वीरें हटवा दी हैं। उनके नाम से जुड़ी छुट्टियां तक रद्द कर दी गई हैं। यहां तक कि मुजीबुर्रहमान की फोटो हटाने के लिए बांग्लादेशी करेंसी टका को बदलने के आदेश दिए गए हैं।

अगले 6 महीनों में नए नोट मार्केट में आ जाएंगे। इन नोटों पर धार्मिक स्थल और बंगाली परम्परा के चिन्ह बने होंगे। काबिलेगौर है कि शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के संस्थापक होने के साथ ही शेख हसीना के पिता हैं। बांग्लादेश की सड़कों पर इस वक्त इस्लामिक कट्टरपंथियों का बोलबाला है। दो अन्य पार्टियां ढाका की सत्ता पर नजर गड़ाए हैं- खालिदा जिया की बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी। चीन जमातियों और बीएनपी की मेजबानी कर रहा है। जमात का इतिहास दागदार रहा है। यह एक कट्टरपंथी और भारत विरोधी संगठन रहा है। बांग्लादेश ने भारत के चिर-विरोधी पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने में जरा भी देर नहीं की है। इसके लिए वीजा सिक्योरिटी क्लियरेंस को खत्म कर दिया है। 2019 में शेख हसीना की सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य किया था। अब यह प्रोसेस खत्म कर दिया गया है। यहां तक कि बांग्लादेश में 50 सालों में पहली बार जिन्ना की 76वीं सालगिरह भी मनाई गई। इस जश्न में पाकिस्तान के डिप्टी हाई कमिश्नर और यूनुस सरकार के कई लोग शामिल हुए। इसमें जिन्ना को बांग्लादेश का 'राष्ट्रपिता' घोषित करने तक की मांग की गई।

इस कार्यवाहक सरकार ने पाकिस्तान से गोला-बारूद भी खरीदा है। इस गोला-बारूद का इस्तेमाल आर्टिलरी गन में किया जाता है, जो 30 से 35 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकती है। बांग्लादेश तीन तरफ से भारत से घिरा है और चौथी तरफ बंगाल की खाड़ी है। यानी अगर इसके इस्तेमाल की नौबत आती है, तो भारत के खिलाफ हो सकता है। ऐसे में भारत की सीमा सुरक्षा बल ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है। भारत अपनी सबसे लंबी करीब चार हजार किलोमीटर की सरहद बांग्लादेश के साथ साझा करता है। यह सीमा पहाड़ों, उफनती नदियों और घने जंगलों से होकर गुजरती है। भारत का विदेश मंत्रालय बांग्लादेश के हथियार खरीद, पाकिस्तान से दोस्ती और हिंदुओं पर अत्याचार आदि पर नजरें बनाए हुए है। इसीलिए ढाका जाकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपने समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन को स्पष्ट और सख्त शब्दों में कहा है कि सबसे पहले बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा, मंदिरों और दूसरे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए।

मेहमानों के लिए घर पर बनाएं पनीर रोल

बड़े और बच्चे खाकर हो जाएंगे खुश

हर घर में शाम के नाश्ते के लिए रोज कुछ न कुछ अलग बनाया जाता है। ऐसे में महिलाओं को अक्सर ये समझ नहीं आता कि वो हर दिन ऐसा क्या अलग बनाएं जो बड़े से लेकर बच्चे तक मन से खा लें। दरअसल, ज्यादातर घरों में देखा जाता है कि घर के बड़े तो सब कुछ खा लेते हैं लेकिन बच्चों को खाना खिलाना थोड़ा मुश्किल काम होता है। शाम के वक्त बच्चे बाहर के खाने की डिमांड करते हैं। अगर हर रोज उन्हें बाहर का खाना दिया जाए तो तबियत खराब होने का डर भी बना रहता है। ऐसे में आप अगर चाहें तो उन्हें बाजार जैसे पकवान घर पर बनाकर खिला सकती हैं। इसके लिए स्वादिष्ट पनीर रोल एक बेहतर विकल्प है। तो आप बाजार जैसा पनीर रोल घर पर तैयार करके अपने बच्चे का पेट और मन दोनों भर सकते है।

सामान

मैदे की रोटी - 4, पनीर - 200 ग्राम, प्याज (बारीक कटा हुआ)- 1, शिमला मिर्च (बारीक कटी हुई) - 1, टमाटर (बारीक कटा हुआ) - 1, अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 चम्मच, हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) - 1-2, लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच, गरम मसाला - 1/2 चम्मच, चाट मसाला - 1/2 चम्मच, नमक - स्वादानुसार, तेल - 2-3 चम्मच, हरा धनिया (बारीक कटा हुआ) - 2-3 चम्मच, नींबू का रस, हरी चटनी या टोमेटो सॉस।

विधि

रोल तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले इसकी स्टफिंग बनानी है। इसके लिए एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें बारीक कटी प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन पेस्ट डालें और कुछ सेकंड भूनें। इसके बाद इसमें बारीक कटी हुई शिमला मिर्च और टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं। इसके बाद बारीक कटा पनीर, लाल मिर्च पाउडर, गर्म मसाला, चाट मसाला, हरी मिर्च, और नमक डालें। अब इसे अच्छी तरह से मिलाएं और 2-3 मिनट तक पकाएं। अंत में बारीक कटा हुआ हरा धनिया और नींबू का रस डालें और मिलाएं। बस ये स्टफिंग तैयार है। अब रोल बनाने के लिए एक तवा गर्म करें और उसपर रोटी सेकें। सेकने के बाद रोटी पर हरी चटनी या टोमेटो सॉस फैलाएं। इसके बाद तैयार पनीर स्टफिंग को रोटी के बीच में रखें। अब रोटी को रोल की तरह मोड़ें और एक तवा पर हल्का सा तेल डालकर रोल को सभी ओर से सुनहरा होने तक सेंकें। अब इस रोल को आप गर्मागर्म परोसें। चाहें तो इसके साथ आप कोल्ड ड्रिंक भी सर्व कर सकती हैं।

स्वादिष्ट हरी मूंग दाल के लड्डू

हरी मूंग दाल कई सारे पोषक तत्व लिए होती है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, फॉलेट, मैग्नीशियम, मैंगनीज, विटामिन बी1, फास्फोरस, आयरन, कॉपर, पोटैशियम, जिंक जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसके अलावा विटामिन बी2, विटामिन बी3, विटामिन बी5 और विटामिन बी6 भी शामिल होता है। ये सारे ही न्यूट्रिशन हमारी बॉडी के लिए जरूरी होते हैं। आंखों का चश्मा, शरीर की कमजोरी, माइग्रेन को दूर भगाने के लिए हरी मूंग के लड्डू बनाएं।

सामग्री

लड्डू बनाने के लिए हरी मूंग दाल (छिली हुई) - 1 कप, देसी घी - 1/2 कप, गुड़ या चीनी - 1 कप (पिसा हुआ), इलायची पाउडर - 1/2 चम्मच, कटे हुए मेवे (काजू, बादाम, पिस्ता) - 2-3 बड़े चम्मच (वैकल्पिक)।

विधि

सबसे पहले हरी मूंग दाल को अच्छे से धोकर लगभग 3-4 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। भीगी हुई दाल को छानकर इसे सूखने दें और फिर मिक्सर में दरदरा पीस लें। एक कढ़ाई में घी गरम करें और पिसी हुई मूंग दाल को धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि दाल जले नहीं। जब दाल अच्छी तरह भुनकर हल्की खुशबू आने लगे और रंग बदल जाए, तब इसे गैस से उतार लें और ठंडा होने दें। अब इसमें पिसा हुआ गुड़ या चीनी मिलाएं और इलायची पाउडर डालें। कटे हुए मेवे भी मिलाएं। अब मिश्रण को अच्छी तरह मिक्स करें और हाथों से लड्डू बना लें। आपके स्वादिष्ट हरी मूंग के लड्डू तैयार हैं, इन्हें कांच के जार में भरकर रखें, और रोजाना सुबह खाली पेट एक लड्डू खाएं आखों की रोशनी बढ़ाएं।

हंसना मना है

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नही आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा- मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है..पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

कहानी — प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई।

कहानी से सीख: कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

तुला

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें।

वृषभ

विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

मिथुन

मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

धनु

अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कन्या

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन

भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

ओपनिंग डे पर निराशाजनक रही 'बेबी जान' की कमाई

मुफासा और पुष्पा 2 को भी नहीं दे पाई मात

वरुण धवन की बहुप्रतीक्षित फिल्म बेबी जॉन ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। हालांकि, यह फिल्म पहले दिन ही कलेक्शन के मामले में फेल हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का ओपनिंग डे बिजनेस बेहद निराशाजनक रहा। पहले दिन वरुण अपनी फ्लॉप फिल्म कलंक को भी पीछे नहीं छोड़ सके। इसके अलवा सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही मुफासा द लायन किंग और पुष्पा 2 भी वरुण की इस नई फिल्म पर भारी पड़ी। आइए जानते हैं कि इन तीनों फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर बुधवार को कैसा प्रदर्शन रहा।

फिल्म बेबी जॉन ने पहले दिन केवल 12.50 करोड़ रुपये की कमाई की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 180 करोड़ रुपये के आस-पास का है। लागत के हिसाब से फिल्म का यह कलेक्शन बेहद खराब है। ओपनिंग डे पर बेबी जॉन, कलंक के कलेक्शन को भी मात नहीं दे सकी। साल 2019 में आई इस फ्लॉप फिल्म ने 21.6 करोड़ रुपये से अपनी शुरुआत की थी।

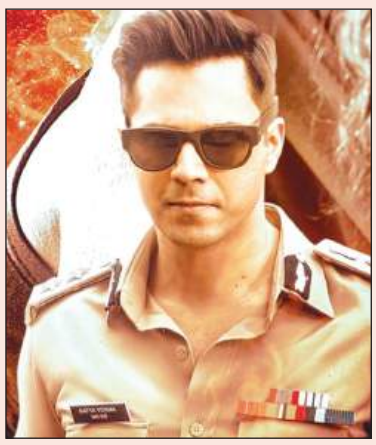

दिलचस्प बात यह है कि हॉलीवुड फिल्म मुफासा का छठे दिन का कलेक्शन इस फिल्म से ज्यादा रहा। क्रिसमस डे पर फिल्म की कम कमाई बेबी जॉन के मेकर्स के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

100 करोड़ी क्लब की ओर बढ़ी मुफासा

भारत में मुफासा द लायन किंग शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म तेज रफ्तार से 100 करोड़ी क्लब की ओर बढ़ रही है। छठे दिन फिल्म का कलेक्शन सबसे अच्छा रहा। क्रिसमस डे के मौके पर फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर 14.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन अब 67.85 करोड़ रुपये हो गया है। यह कमाई बेबी जॉन से काफी ज्यादा है। इससे यह साफ है कि फैमिली ऑडियंस ने बेबी जॉन की जगह मुफासा को देखने के लिए ज्यादा तरजीह दी।

पुष्पा 2 का बॉक्स ऑफिस पर राज

पुष्पा 2 का बॉक्स ऑफिस पर कब्जा अब भी बरकरार है। टिकट खिड़की पर इस फिल्म का तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। 21वें दिन फिल्म ने भारत में 1100 करोड़ी क्लब की शुरुआत कर दी। फिल्म ने तीसरे बुधवार को 19.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म की यह कमाई बेबी जॉन की तुलना में काफी अधिक है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 1109 करोड़ रुपये हो गई है। माना जा रहा है कि यह फिल्म जल्द ही हिंदी भाषा में 800 करोड़ी क्लब की शुरुआत कर सकती है।

गेम चेंजर के प्रचार में हुई चूक तो कियारा आडवाणी हो गईं ट्रोल

कियारा आडवाणी अपनी अगली फिल्म गेम चेंजर को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ नजर आएंगी। हालांकि, बीते दिन उन्हें अपनी एक पोस्ट के लिए जबर्दस्त आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। दरअसल, अभिनेत्री ने फिल्म से जुड़े गाने धोप के पर्दे के पीछे का वीडिया साझा किया, लेकिन इसमें वह जानी मास्टर का जिक्र करतीं और उनके कोरियोग्राफी की सराहना करतीं नजर आईं। यही बात नेटिजन्स को रास नहीं आई। ट्रोल्स ने अभिनेत्री को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। इसके बाद कियारा भी बड़ा कदम उठाती देखी गईं।

इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जानी मास्टर का जिक्र करने के बाद कियारा आडवाणी को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अभिनेत्री ने राम चरण के साथ गेम चेंजर के गाने धोप के लिए उनकी कोरियोग्राफी की सराहना की। इस कैप्शन को लेकर उन्हें ट्रोल किया गया। जानकारी हो कि जानी मास्टर को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोस्को) सहित विभिन्न धाराओं के तहत कई मामलों के तहत सितंबर में गिरफ्तार किया गया था।

स्ट के लिए आलोचना का सामना करने के बाद, कियारा ने कैप्शन को एडिट किया। उन्होंने पहले लिखा था, मुझे याद है कि मैं जानी मास्टर की कोरियोग्राफी को देखती थी और सोचती थी कि हम यह कैसे करेंगे, लेकिन यह हमारे काम की खूबसूरती है, हमेशा कुछ नया सीखना। हालांकि, अभिनेत्री ने अब जानी मास्टर का नाम अपनी पोस्ट के कैप्शन से हटा दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं शादी के बजाय रिलेशनशिप में रहना पसंद करूंगी : श्रुति

श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनसे शादी को लेकर हमेशा सवाल पूछे जाते हैं। अब अभिनेत्री ने आखिरकार इन सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने हाल ही में यह साफ किया कि वह शादी के बजाय रिलेशनशिप में रहना पसंद करती हैं। जब श्रुति से उनके शादी न करने के बयान के बारे में पूछा गया तो इस पर जवाब देते हुए उन्होंने अपनी स्थिति को फिर से स्पष्ट किया। श्रुति ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे रिलेशनशिप बहुत पसंद हैं और मुझे रोमांस भी पसंद है। मैं रिश्ते में रहना पसंद करती हूं, लेकिन किसी से इतना ज्यादा जुड़ना मुझे थोड़ा डराता है। श्रुति ने यह भी कहा कि उनका शादी के प्रति यह दृष्टिकोण उनके व्यक्तिगत विश्वासों पर आधारित है, न कि किसी अतीत के अनुभवों पर। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने दोस्तों के सफल विवाह देखे हैं, लेकिन इन सकारात्मक उदाहरणों के बावजूद उनका नजरिया नहीं बदला। यह पहली बार नहीं है जब श्रुति ने शादी पर बात की है। एक बार इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा तो उन्होंने मजाक में जवाब देते हुए का था, यह सवाल पूछना बंद करें। श्रुति ने कुछ समय पहले ही अपने बॉयफ्रेंड संतानु हजारिका से अपना रिश्ता समाप्त किया था। ऐसा कहा जाता था कि दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति जल्द ही कुली फिल्म में रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म लोकेश कनगराज निर्देशित कर रहे हैं। इसमें नागार्जुन अक्किनेनी, उपेन्द्र राव, सौबिन शाहिर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा उनके पास बहुप्रतीक्षित सालार : पार्ट 2 शौर्यंगा पर्वम भी है, जिसमें प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम भूमिका में हैं।

लड़के को है अजीब बीमारी, मां-बाप के साथ खाना नहीं खा सकता

हम दुनिया में बहुत सी ऐसी चीज़ों के बारे में नहीं जानते, जो हमने सामने से नहीं देखी हैं। हालांकि इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के बाद हम दुनिया के कोने-कोने में मौजूद अजीबोगरीब चीज़ों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। यही वजह है कि बहुत सी ऐसी चीज़ें जानने को मिल जाती हैं, जो हमारे लिए काफी नई होती हैं।

आमतौर पर जब भी कोई त्यौहार होता है, हम उसे परिवार के साथ मिलकर एंजॉय करते हैं। हम किसी भी फेस्टिवल पर शायद ही अकेले बैठकर खाना चाहेंगे। हालांकि आज हम आपको एक ऐसे शख्स से मिलवाएंगे, जो ऐसा ही करता है, भले ही किसी को इससे दुख हो। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड के लीड्स में रहने वाले ग्रेसन व्हाइटेकर नाम के लड़के को एक अजीब बीमारी है, जो उसे दूसरों के साथ बैठकर खाना खाने का सुख नहीं लेने देती। उसके माता-पिता एलेक्स और डॉन बचपन से ही उसे अकेले अपने कमरे में ज्यादातर वक्त बिताते हुए देख रहे हैं, जो उन्हें बहुत दुखी करता है। ग्रेसन ने अपनी ज़िंदगी में कभी भी तीज-त्यौहार के वक्त भी परिवार के साथ खाना नहीं खाया और उसकी इससे जुड़ी कोई यादें नहीं हैं। वो अपने कमरे को लॉक करके बैठ जाता था, जो परिजनों को दुखी करता था। अब तो वो अपना घर छोड़कर अलग रहता है ताकि उसे परिवार में किसी की आवाज़ नहीं सुननी पड़े। ग्रेसन को जो मेडिकल कंडीशन है, उसे मिसोफोनिया कहते हैं। इसमें इंसान हर एक आवाज़ पर जज़्बाती हो जाता है। लोगों के बोलने सेलेकर उसके खाने-पीने तक की आवाज़ शख्स को परेशान करने लगती है। ग्रेसन को बचपन से ही ये दिक्कत है और इसीलिए उसे स्कूल भी छोड़ देना पड़ा। वो किसी भी आवाज़ को बर्दाश्त नहीं कर सकता। फिलहाल वो अपनी पार्टनर बेथ के साथ रहता है, जो उसकी इस कंडीशन को समझती है। इसके अलावा ग्रेसन थैरेपीज़ भी ले रहा है, जिससे उसकी हालत में थोड़ा सुधार भी हुआ है।

अजब-गजब | यहां आम लोगों की एंट्री है बैन

ये है धरती की सबसे खुफिया जगह

धरती पर कई ऐसी रहस्यमयी जगहें मौजूद हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। इनमें से किसी जगह पर सरकार नए-नए प्रयोग करती है, तो कोई जगह एलियंस की मौजूदगी के दावे की वजह से चर्चा में रहती है। ऐसे में इन जगहों पर आम लोगों की एंट्री बैन कर दी जाती है। आज हम आपको धरती की एक ऐसी ही सबसे रहस्यमयी खुफिया जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अमेरिका में है। ऐसा कहा जाता है कि इस एरिया में अमेरिकी फौज नए-नए एक्सपेरिमेंट करती है, लेकिन कुछ एक्सपर्ट्स एलियंस की मौजूदगी का भी दावा करते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि उस जगह का नाम क्या है, तो बता दें कि उसका नाम एरिया 51 है, जो अमेरिका के नेवादा मौजूद है। हो सकता है कि आपने इस जगह के बारे में पहले भी सुना होगा, लेकिन असल में वहां पर क्या होता है, इसकी जानकारी पूरी दुनिया से छुपाई जाती है।

बताया जाता है कि सालों तक अमेरिकी सरकार ने इस जगह को दुनिया से छुपाने की कोशिश की, लेकिन एक दशक पहले इसकी सच्चाई धीरे-धीरे सामने आने लगी। लोग दावा करने लगे कि इस एरिया के आस-पास

एलियंस की उड़नतश्तरी दिखाई देती है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि इस जगह पर अमेरिका न्यूक्लियर टेस्ट करता है। लेकिन कई लोग इस बात से सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि राज कुछ ज्यादा ही गहरा है। कई लोगों ने यहां जाने की कोशिश की, लेकिन यहां आम जनता की एंट्री बैन है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2019 में इस जगह के बाहर कई लोगों ने पार्टी की थी। तब यूएस मिलिट्री ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया था। आर्मी बार-बार इसके सच को छुपाती है। वहीं, इस जगह के बारे में बात करते हुए एलियंस के जानकार रहे एडवोकेट बॉब लैजर ने कहा कि यहां दूसरे ग्रह के जीवों को लेकर रिसर्च चलती है, यही सच है।

वैसे आपको बता दें कि एरिया 51 हाई सिक्युरिटी जोन है, जहां पर कोई भी नहीं जा सकता है। हाल के महिनों में कई ऐसे रिपोर्ट्स भी आए, जिसमें दावा किया गया कि एक तरफ सरकार इस जगह की सच्चाई को छुपाती है, तो दूसरी ओर लगातार इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है। धीरे-धीरे इसकी बाउंड्री को और ज्यादा चौड़ा कर दिया गया है यानी कि एरिया 51 का क्षेत्रफल पहले से ज्यादा बड़ा हो गया। पहली बार इस जगह के बारे में लीक डॉक्यूमेंट्स से लोगों को जानकारी मिली। हालांकि, उस डॉक्युमेंट में यह मेंशन नहीं था कि इस एरिया में ऐसा क्या होता है, जिसकी वजह से इसे अब तक छुपाया जा रहा था। साथ ही यह भी नहीं बताया गया कि यहां पर कौन से काम होते हैं। लेकिन कुछ लोग न्यूक्लियर टेस्ट एरिया बताते हैं, तो कई लोग एलियंस की मौजूदगी का दावा करते हैं। अब सच क्या है, इस बारे में कोई नहीं जानता, लेकिन जिस तरह से इसकी सुरक्षा की जाती है, उससे साफ है कि यह धरती की सबसे खुफिया और रहस्यमयी जगह जरूर है।

एनडीए शासन ने जनता का विश्वास खोया : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने की 2025 में पार्टी की प्राथमिकता तय
» कार्यकर्ताओं को दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वर्ष 2025 कांग्रेस के लिए संगठनात्मक सशक्तिकरण का वर्ष होगा, उन्होंने वर्तमान एनडीए शासन में आशा खो चुके लोगों की मांग के जवाब में पार्टी की संगठनात्मक ताकत बढ़ाने के प्रयासों का आह्वान किया। बेलगावी में विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए, खरगे ने पार्टी के शीर्ष नेताओं को 29 नवंबर को पिछली बैठक में हुई चर्चाओं की याद दिलाई - कि उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव परिणामों से बने निराशा के माहौल से सक्रिय रूप से लड़ने का फैसला किया था।

सीडब्ल्यूसी ने कांग्रेस अधिवेशन महात्मा गांधी की शताब्दी मनाने के लिए बेलगावी में अपनी बैठक की। खरगे ने संगठन में सभी रिक्त पदों को भरने और पार्टी को सभी स्तरों पर चुनाव जीतने के लिए तैयार करने के लिए उदयपुर घोषणा को लागू करने का वादा किया। उन्होंने पार्टीजनों से उन युवाओं की पहचान करने का आग्रह किया जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं और संविधान की रक्षा के लिए तैयार हैं, और उन्हें मुख्यधारा में लाएं।दिग्गज कांग्रेस नेता ने कहा कि सिर्फ कड़ी मेहनत ही काफी नहीं है। एक समयबद्ध एवं ठोस रणनीति एवं दिशा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय और नये नेतृत्व को आगे लाने की जरूरत है।

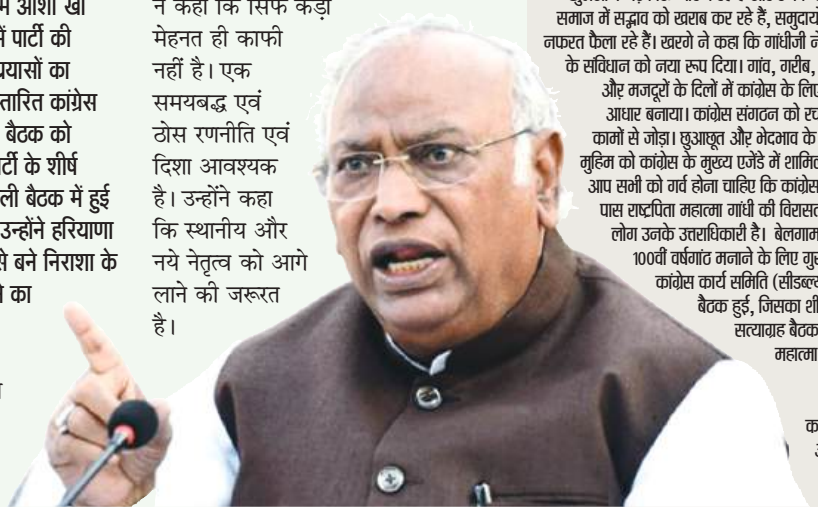

कांग्रेस फिर नए संकल्प के साथ लौटेगी

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पास विचारों की शक्ति है, गांधी-नेहरू की विरासत है और महान नेताओं की विरासत है। हम बेलगाम से एक नया संदेश और नए संकल्प के साथ लौटेंगे। खरगे ने गांधी के संदेश और सांप्रदायिक सद्भाव पर जोर का जिक्र किया और आरोप लगाया कि अब, 100 साल बाद, सतारूढ़ दल और उसके नेता खुलेआम भड़काऊ नारे दे रहे हैं और उनके शीर्ष नेता समाज में सद्भाव को खराब कर रहे हैं, समुदायों के बीच नफरत फैला रहे हैं। खरगे ने कहा कि गांधीजी ने कांग्रेस के संविधान को नया रूप दिया। गांव, गरीब, किसानों और मजदूरों के दिलों में कांग्रेस के लिए मजबूत आधार बनाया। कांग्रेस संगठन को रचनात्मक कामों से जोड़ा। छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ मुहिम को कांग्रेस के मुख्य एजेंडे में शामिल किया। आप सभी को गर्व होना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी के पास राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विरासत है। हम लोग उनके उत्तराधिकारी है। बेलगाम सत्र की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए गुरुवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई, जिसका शीर्षक नव सत्याग्रह बैठकथा, जहां महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता संभाली थी।

यूपी की कानून व्यवस्था पर गवर्नर की टिप्पणी से गरमाई सियासत

» सपा ने योगी सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था के मोर्चे पर भी स्थिति काफी सुधर गई है। आनंदीबेन पटेल ने कहा था, लेकिन यदि आप पूछें कि क्या यह राज्य 100 प्रतिशत सुरक्षित है तो मैं कहूंगी कि अब भी काफी कुछ करना बाकी है। इसको लेकर यूपी में सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की टिप्पणी पर सरकार की चुटकी ली है।

राज्यपाल ने बातचीत के दौरान यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि एक दिन ऐसा आएगा जब महिलाएं संसद में बहस करेंगी और उनके पति खाना बनाने के बाद उनका इंतजार करेंगे। उन्होंने कहा, तथ्य यह है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने से पहले महिलाओं के लिए शाम पांच बजे के बाद घर से बाहर निकलना मुश्किल था। यह स्थिति गुजरात से बिल्कुल उलट थी जहां महिलाएं आधी रात को बिना किसी डर के घूम सकती हैं। अब उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था के मोर्चे पर भी स्थिति काफी सुधर गई है। आनंदीबेन पटेल ने कहा था, लेकिन यदि आप पूछें कि क्या यह राज्य 100 प्रतिशत सुरक्षित है तो मैं कहूंगी कि अब भी काफी कुछ करना बाकी है।

यूपी महिलाओं के लिए 100 प्रतिशत सुरक्षित नहीं : आनंदीबेन पटेल

आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में बातचीत में कहा था कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति सुधरी है, लेकिन इसे महिलाओं के लिए 100 प्रतिशत सुरक्षित कहा जा सके, इसमें अभी समय है।

अखिलेश यादव ने लिखा- सत्य वचन

यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक समाचार पत्र की विलुप साझा की जिसमें इस टिप्पणी को शीर्षक बनाया गया है। अखिलेश ने लिखा, सत्य वचन।

अटल सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

» समाज की प्रमुख हस्तियां हुईं सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में पंडित दीन दयाल उपाध्याय सूचना भवन में पांचवां अटल रत्न सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीज सिद्दीकी और निहारिका साहित्य मंच की संस्थापक डॉ. रीमा सिन्हा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें देश-विदेश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नेता अम्मार रिजवी और लखनऊ की पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्यकार डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी,

होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. उमंग खन्ना, फिल्म निर्माता मान बहादुर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई और मशहूर शायर आसिम काकोरवी ने मंच संचालन किया। अतिथियों ने अटल जी के प्रेरणादायक जीवन को याद करते हुए उनके विचारों को साझा किया। सम्मान समारोह में साहित्य, चिकित्सा, समाजसेवा और पत्रकारिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को अटल रत्न सम्मान से नवाजा गया।

मनमोहन सिंह को मिले भारत रत्न : संजय

» बोले- पूर्व पीएम एक महान व्यक्ति थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के एक दिन बाद उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। दिल्ली चुनाव से पहले सबसे पुरानी पार्टी के साथ टकराव के बीच आप की ओर से कांग्रेस नेता के लिए भारत रत्न की मांग की गई है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि उनके पास भारत रत्न पाने के लिए जरूरी सभी योग्यताएं हैं। भारत सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा पहुंचने से लेकर अब तक उनका आशीर्वाद मुझे मिला। मुझे एक घटना याद आती है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता।

आप नेता ने कहा कि एक बार जब मैं हस्ताक्षर कर रहा था तो कोई डिजिटल हस्ताक्षर नहीं थे। मैंने देखा कि किसी ने पीछे से मेरे कंधे पर हाथ रखा। मैंने देखा कि डॉ. मनमोहन सिंह खड़े थे। मैंने उनके पैर छुए। उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा और कहा कि संजय सिंह जी, आप विपक्ष की मजबूत आवाज हैं। ये शब्द मुझे हमेशा याद रहेंगे। वह एक महान व्यक्ति थे। उन्होंने आगे कहा कि जब वह संसद में बोलने के लिए खड़े होते थे तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद चुपचाप उनकी बात सुनते थे। वह अपना भाषण 2 या 3 मिनट में ख़त्म कर देते थे। वह बड़ी-बड़ी बातें कम शब्दों में व्यक्त कर देते थे। डॉ. मनमोहन सिंह जी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विपक्षी नेता के रूप में मनमोहन सिंह के योगदान को याद करते हुए संजय सिंह ने कहा कि वह दिन अविस्मरणीय है जब वह वोट देने आए थे। जब दिल्ली के संबंध में अध्यादेश मामले में राज्यसभा में बिल लाया गया था।

नीतीश ने रद्द की प्रगति यात्रा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगले दो दिनों-27 और 28 दिसंबर के लिए अपनी प्रगति यात्रा रद्द कर दी। उनके कार्यालय ने इस बात की जानकारी दी है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के लोगों तक पहुंचने के लिए नीतीश कुमार राज्यव्यापी दौरे, प्रगति यात्रा पर थे। इससे पहले एक पोस्ट में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन दुखद है। नीतीश ने आगे लिखा था कि वे एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्री थे। उनके नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। डॉ. मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

बॉक्सिंग डे टेस्ट : भारत पर फॉलोऑन का खतरा

» इंडिया ने अपनी पहली पारी में 164 रन पर गंवाए पांच विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने खेल खत्म होने तक पांच विकेट गंवाकर 164 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। इस लिहाज से भारत अभी भी 310 रन पीछे है। और उस पर फॉलोऑन बचाने के लिए अभी भी 111 रन बनाने हैं।

बता दें दूसरा दिन पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। कंगारू तीनों सत्र में भारतीय टीम पर हावी रहे। आखिरी सत्र में भारत की बल्लेबाजी के समय एक वक्त स्कोर दो विकेट पर 153 रन था। इसके बाद छह रन बनाने में ही टीम इंडिया ने तीन और विकेट गंवा दिए। यशस्वी जायसवाल का रन आउट होना टर्निंग पॉइंट रहा। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। हालांकि, यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय पारी लुढ़क गई। वह 82 रन बना सके। इसके बाद विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए। बोलैंड ने कोहली को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया। फिर नाइट वाचमैन आकाश दीप भी खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। इससे पहले ओपनिंग करने उतरे कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर आउट हुए थे। फिलहाल रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

भारत अभी भी 111 रन से है पीछे

कप्तान रोहित शर्मा का खराब फॉर्म जारी

चौथे टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा तीन रन बनाकर आउट हुए। भारत की पहली पारी के दूसरे ओवर में पैट कमिंस की गेंद पर खराब शॉट खेलकर हिटमैन आउट हुए। पिछले दो टेस्ट में रोहित छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। हालांकि, इस मैच के लिए टीम मैनेजमेंट ने रणनीति बदली और शुभमन गिल को ड्रॉप कर रोहित को ओपनिंग भेजा गया। केएल राहुल, जो पिछले दो मैचों में ओपनिंग कर रहे थे, उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा गया। बता दें रोहित पिछली 14 टेस्ट पारियों में 11.07 की औसत से सिर्फ 155 रन बना सके हैं। इसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान रोहित की पारियां- 6, 5, 23, 8, 2, 52, 0, 8, 18, 11, 3, 6, 10 और 3 रन की रही हैं। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में कम से कम चार पारियों में बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों में रोहित का औसत सबसे खराब है। उनका औसत नाथन लियोन और मोहम्मद सिराज से भी खराब रहा है। रोहित ने इस सीरीज में छह पारियों में 5.50 की औसत से 51 रन बनाए हैं। लियोन और सिराज का औसत 6.00 का रहा है। वहीं, बुमराह ने 10 की औसत से रन बनाए हैं।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के क्षेत्र में भ्रष्टाचार की गंगा बही

» मुख्यमंत्री सामूहिक योजना में बिना दूल्हों के ही दुल्हनों की मांग भर दी गयी

» आईजीआरएस के तहत दर्ज की गयी शिकायत तो हुआ खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। क्या सरकारी योजनाएं भष्टाचार का अड्डा बनती जा रही हैं! प्रतीत कुछ ऐसा ही हो रहा है। ताज़ा मामला यूपी के कौशाम्बी जनपद का है जहां भ्रष्टाचार करने के बाद बिना दूल्हों की ही बारात निकाल दी गयी।

जी हां डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के क्षेत्र सिराथू में पिछले दिनों बड़ी धाम और गाजे बाजे के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के तहत 200 जोड़ों का विवाह समपन्न हुआ था। यहां तक तो ठीक था लेकिन अब उसके आगे की खबर सुनिये, हुआ यह कि समाज कल्याण विभाग ने 20 ऐसी दुल्हनों को भी विवाह का सार्टिफिकेट आवंटित कर दिया जिनके दुल्हा ही नहीं आये थे।

20 दूल्हे नहीं पहुंचे सामूहिक विवाह कार्यक्रम में, फिर भी दे दिया दुल्हनों को विवाह का प्रमाणपत्र

बिना दूल्हे के ही भर दी दुल्हनों की मांग

यह खबर सिराथू में आग की तेजी जैसे फैली। आरोप समाज कल्याण विभाग पर लगे और कहा जाने लगा कि पैसे लेकर विवाह के लिए मिलने वाली सब्जिडी की बंदरबाट के लिए ऐसा किया गया है। जिलें से आ रही खबरों पर यकीन करें तो वहां हर चीज के पैसे तय होते हैं। सिराथू तहसील में 23 नवंबर को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम रखा गया था इसमें सामूहिक विवाह में 20 से अधिक बेटियों का बिना दूल्हे की ही शादी कर देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक शिकायत करता नें समाज कल्याण मंत्री से आईजीआरएस के माध्यम से इसकी शिकायत की है और आरोप लगाया है कि दस हजार रुपए कि रिश्वत लेकर बिना वर के ही लड़कियों को शादी का प्रमाण पत्र दे दिया गया।

डीएम ने गठित की जांच कमेटी

मुख्यमंत्री विवाह कार्यक्रम में बीजेपी के जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य सिराथू ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश मौर्य समेत जिले के आला अधिकारी भी मौजूद थे। सिराथू तहसील के एक डिग्री कॉलेज में 23 नवंबर को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया था। पूरे मामले पर जिला अधिकारी मधुसूदन हुलगी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर जांच के लिए टीम गठित की गई है जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सामूहिक विवाह योजना में जारी है भ्रष्टाचार का खेल

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 514 गरीब बेटियों की शादी कराई गई, लेकिन समारोह के दौरान भ्रष्टाचार और घोटाले का बड़ा मामला सामने आया। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिए गए उपहारों में नकली पायल, घटिया गुणवत्ता की साड़ियां और नकली किचन का सामान ?बेटियों को दिया गया था। इस खबर ने भी तूफान मचा दिया था। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 11-12 जुलाई को आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के कार्यक्रम में सरकारी पैसे का बड़े स्तर पर बंदरबांट का मामला सामने आया था। इस कार्यक्रम में यह हुआ कि कई महिलाओं की शादी उनके पहले पति से ही करा कर सरकारी अनुदान पर हाथ साफ कर लिया गया। इस मामले ने भी काफी सुर्खियां बंटोरी लेकिन हुआ वही मामले की जांच करने के बजाए इसे भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

मिलते हैं 51 हजार

दरअसल सामूहिक विवाह के आयोजन के पीछे एक बहुत ही अच्छी सोच काम कर रही है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में फिजूल के खर्चों से निजात मिलती है और सरकारी अनुदान भी। इस योजना से गरीब बेटियों का घर बसता है। इस योजना के तहत, सालाना आय 2 लाख रुपये से कम वाले परिवार आते हैं। हर शादी पर 51,000 रुपये की रकम का प्रावधान है।

गृहकर वसूली को लेकर नगर आयुक्त के तेवर सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जोन 3 कार्यालय में आज सुबह 8 बजे नगर आयुक्त ने जोन 3 कार्यालय में समस्त लिपिक, करनिरीक्षक एक एवं दो, कर अधीक्षक जोनल अधिकारी अमरजीत, मुख्य कर निर्धारण, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के साथ वसूली एवं कर निर्धारण की समीक्षा बैठक की गयी। जिसमें जोन तीन की मांग पूरे वित्तीय वर्ष में मात्र रू 4,6183 212 होने के कारण नाराजगी व्यक्त की, जोन तीन में कदम रसूल, लाला लाजपत राय, महा कवि जयशंकर प्रसाद एवं महानगर एवं मनकामेश्वर वार्ड में मांग गत, वर्ष की तुलना में कम थी अन्य सभी वार्डों में वृद्धि थी।

इस पर नगर आयुक्त ने मधुरेश कुमार, वीरेंद्र कुमार को चेतावनी व आजाद अहमद को अनुपस्थित रहने एवं मांग गत वर्ष की तुलना में नकारात्मक होने के कारण एडवर्स एंट्री दी गई। नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि 31 मार्च तक कोई भी भवन परिवर्तन एवं परिवर्धन, कर निर्धारण से छूटा ना रहे। अनावासीय भुवनों का शत प्रतिशत वसूली 15 जनवरी तक करनी होगी। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देश दिया गया कि जिस भी कर निरीक्षक की 10 भावनों एवं रुपए 50000 प्रति वार्ड वसूली एवं 10 नए कर निर्धारण से कम रहा उनकी भौतिक रूप से बैठक रात 9 बजे एसबीएम हाल में होगी। जो कर निरीक्षक, कर अधीक्षक अच्छा कार्य करेगा उसको पुरस्कृत किया जाएगा। जो लापरवाही करेगा उसको यहां से कार्य मुक्त कर दिया जाएगा।

शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए यूपी एनसीसी चलाएगा साइकिल अभियान

» 1 जनवरी 2025 को मेरठ से शुरू होगी शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय गणतंत्र के 75वें वर्ष में, यूपी एनसीसी निदेशालय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की याद में तथा उसमें शहीद सैनिकों और नागरिकों के बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए साइकिल अभियान चलाएगा। अभियान का शीर्षक संग्राम 1857 है, जिसका उद्देश्य अमृत काल में राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए लोगों को प्रेरित करना है, जिसका संदेश है समर से समृद्धि की ओर।

आगरा एनसीसी समूह के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एनएस चरग के नेतृत्व में अभियान दल में यूपी एनसीसी निदेशालय की पांच बालिका कैडेटों सहित 15 एनसीसी कैडेट शामिल हैं। अभियान 1 जनवरी 2025 को मेरठ से शुरू होगा, जो बरेली, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, झांसी, ग्वालियर, आगरा और मथुरा सहित 1857 संग्राम के सभी प्रमुख युद्धक्षेत्रों और महत्वपूर्ण स्थानों से होते हुए अंतत: 27 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में समाप्त होगा। 17 साइकिलिंग दिनों में कुल 2000 किमी की दूरी तय करेगा। अभियान दल को 4 जनवरी 2025 को मध्य कमान के जीओसी-इन-सी द्वारा लखनऊ में दल को हरी झंडी दिखाई जाएगी और5 जनवरी 2025 को राजभवन से यूपी के राज्यपाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। अभियान अंतत: नई दिल्ली में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2025 की पीएम रैली में समाप्त होगा।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के अंतिम दर्शन को उमड़े लोग

राजकीय सम्मान के साथ कल होगा अंतिम संस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन बृहस्पतिवार (26 दिसंबर) को हुआ था। डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। शुक्रवार को होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग पर उनके आवास पर रखा गया है। वहां उनकों पुष्पाजंलि देने के लिए खास से आमजन पहुंचे। पूर्व पीएम के अंतिम दर्शन के लिए लोगों की अपार भीड़ उमड़ी।

अंतिम संस्कार से पहले पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा जाएगा। अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। इसके अलावा अंतिम यात्रा में सैन्य बैंड और सशस्त्र बलों के जवान भी शामिल होते हैं. इस दौरान वो पारंपरिक मार्च करते हैं।

देश के पूर्व प्रधाममंत्री मनमोहन सिंह के नई दिल्ली स्थित आवास पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।